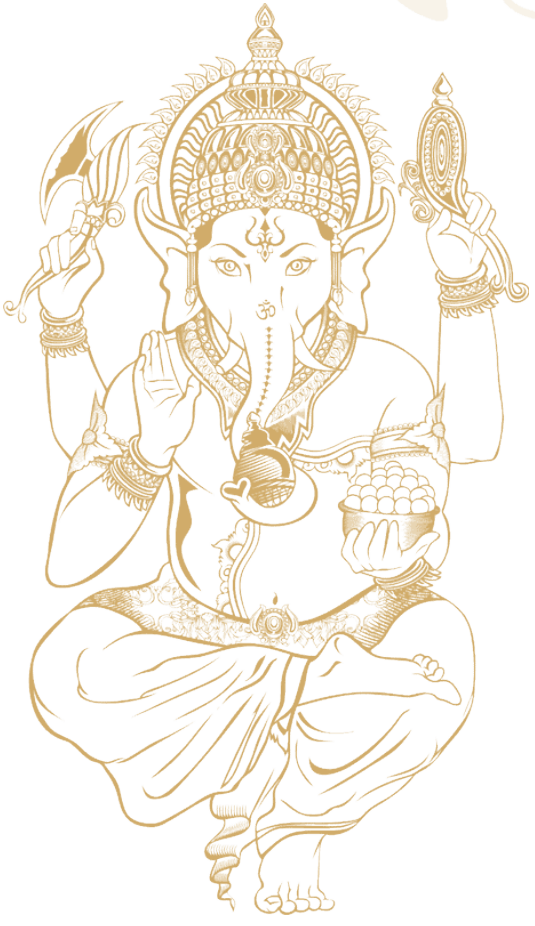

Mr.Vaibhav

Ms.Kuhu Mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119216909

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/09/1996	जन्म तिथि	17/04/2000
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 20:24:00	जन्म समय	09:55:00 घंटे
घटी 36:03:49	जन्म समय(घटी)	10:24:09 घटी
India	देश	India
Bareilly	स्थान	Pilibhit
28:20:00 उत्तर	अक्षांश	28:37:00 उत्तर
79:24:00 पूर्व	रेखांश	79:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:24	स्थानिक संस्कार	-00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:58:28	सूर्योदय	05:43:27
18:14:44	सूर्यास्त	18:37:43
23:48:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 9वर्ष 6मा 18दि		16:35:38	मेष	लग्न	मिथु	10:59:30	चन्द्र 6वर्ष 4मा 0दि	
बुध		01:10:31	कन्या	सूर्य	मेष	03:36:37	राहु	
07/04/2025		25:22:24	तुला	चंद्र	कन्या	14:53:17	17/08/2013	
07/04/2042		11:02:15	कर्क	मंगल	मेष	24:21:57	18/08/2031	
बुध	04/09/2027	01:01:20	कन्या व	बुध	मीन	12:41:35	राहु	29/04/2016
केतु	31/08/2028	14:19:08	धनु	गुरु	मेष	19:02:48	गुरु	23/09/2018
शुक्र	02/07/2031	17:29:25	कर्क	शुक्र	मीन	18:58:46	शनि	30/07/2021
सूर्य	07/05/2032	10:51:54	मीन व	शनि	मेष	23:34:38	बुध	16/02/2024
चन्द्र	07/10/2033	14:12:20	कन्या	राहु व	कर्क	05:38:56	केतु	06/03/2025
मंगल	04/10/2034	14:12:20	मीन	केतु व	मक	05:38:56	शुक्र	06/03/2028
राहु	22/04/2037	07:02:07	मक व	हर्ष	मक	26:22:46	सूर्य	28/01/2029
गुरु	29/07/2039	01:15:46	मक व	नेप	मक	12:35:32	चन्द्र	30/07/2030
शनि	07/04/2042	06:55:26	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:45:29	मंगल	18/08/2031

लग्न-चलित

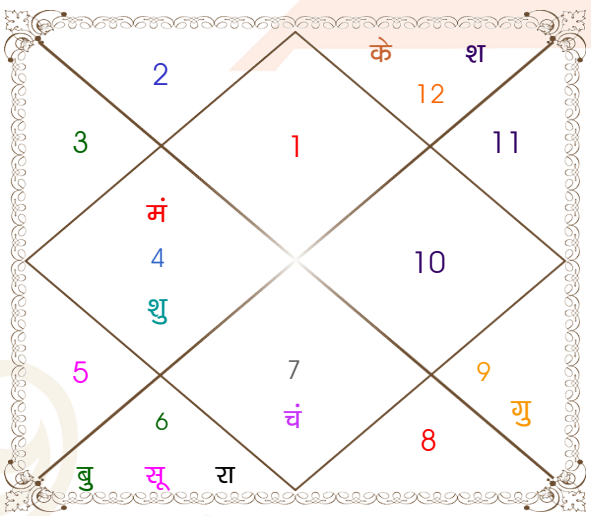

लग्न-चलित

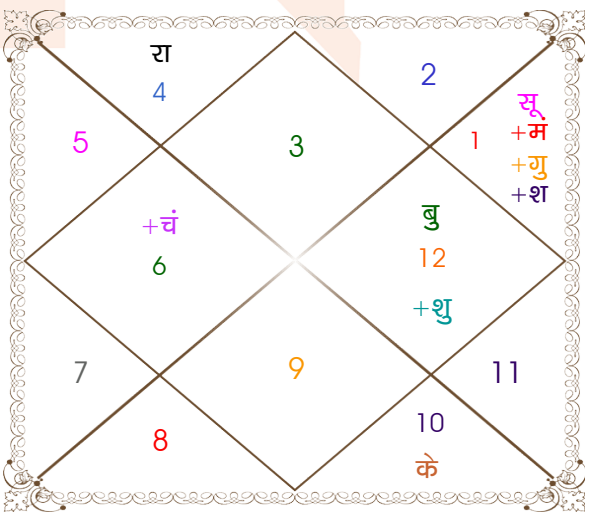

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.Vaibhav का वर्ग सर्प है तथा डेण्झनीन डपीतं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Vaibhav और डेण्झनीन डपीतं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Vaibhav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतु: सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.Vaibhav कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Vaibhav कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्झनीन डपीतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्ड्रनीन डपेीतं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Vaibhav तथा डेण्ड्रनीन डपेीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।